संयुक्त राजभाषा वैज्ञानिक संगोष्ठी एक रिपोर्ट

शीर्षक : परमाणु ऊर्जा और पर्यावरण

आयोजन स्थल : भौतिकी संस्थान (आईओपी), भुवनेश्वर

दिनांक : 23 अगस्त, 2019

हमारे देश में हिंदी को राजभाषा का गौरव प्राप्त है। देश में हिंदी के बढ़ते प्रयोग ने आज सिद्ध कर दिया है कि यह भाषा न केवल राजभाषा है बल्कि राष्ट्रभाषा और जनसंपर्क की भाषा भी बन चुकी है । लोगों में के मन में यह अचानक आ जाता है कि आधुनिक ज्ञान-विज्ञान को अभिव्यक्त करने में हिंदी भाषा सक्षम नहीं है। यह धारणा असत्य, निराधार और भ्रामक है। हिंदी पूरी तरह से वैज्ञानिक भाषा होने के कारण वैज्ञानिक शोध और उपलब्धियों को जनमानस तक पहुँचाने में सक्षम है। परमाणु ऊर्जा विभाग पूरी तरह से वैज्ञानिक है। अपनी लोकमंगलकारी गतिविधियों को चलाते हुए लोकाभिमुखी पर्यावरण बनाये रखने में परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा किये गये प्रयास की जानकारी जनमानस तक पहुँचाना और उन्हें वैज्ञानिक उपलब्धियों से लाभान्वित करना इस वैज्ञानिक संगोष्ठी का लक्ष्य है, जो हिंदी द्वारा ही संभव है।

उपर्युक्त लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए भौतिकी संस्थान, भुवनेश्वर, राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर, भारी पानी संयंत्र, तालचेर, आईआरईएल (इंडिया) लिमिटेड, ऑसकॉम, छत्रपुर और परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय, ऑसकॉम परिसर, छत्रपुर के संयुक्त प्रयास से भौतिकी संस्थान, भुवनेश्वर में दिनांक 23.8.2019 को एक दिवसीय राजभाषा वैज्ञानिक संगोष्ठी आयोजित किया गया । संगोष्ठी निम्नलिखित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित की गई :

क. उद्घाटन सत्र

इस संगोष्ठी में कुल 41 पदाधिकारियों ने भाग लिया था, जिनमें से भौतिकी संस्थान की ओर से 13, राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर की ओर से 13, भारी पानी संयंत्र, तालचेर से 6, आईआरईएल (इंडिया) लिमिटेड, ऑसकॉम, छत्रपुर की ओर से 5 और परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय, ऑसकॉम परिसर, छत्रपुर की ओर 2 पदाधिकारियों ने भाग लिया था । इस संगोष्ठी का प्रारंभ श्री ऋषि कुमार रथ, रजिस्ट्रार, भौतिकी संस्थान के स्वागत भाषण से हुआ । संगोष्ठी का उद्घाटन प्रोफेसर सुधाकर पण्डा, निदेशक, भौतिकी संस्थान और राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान द्वारा हुआ । इस संगोष्ठी में श्री एन.जी. कृष्णन, उप-सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग, मुंबई मुख्य अतिथि थे । श्री कैलाश चंद्र शर्मा, भारी पानी संयंत्र, तालचेर और श्री एम.श्रीनिवास, आईआरईएल, छत्रपुर सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। डॉ. अभय कुमार नायक, रजिस्ट्रार, राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। श्री भगबान बेहेरा, भौतिकी संस्थान ने संयोजक के रूप में सत्र संचालन कर रहे थे ।

(उद्घाटन समारोह के अवसर पर मंचासीन श्री के. सी. शर्मा, डॉ. अभय कुमार नायक, श्री एन.जी. कृष्णन, प्रो.सुधाकर पंडा, निदेशक, श्री एम. श्रीनिवास)

(मंचासीन अतिथिगण संगोष्ठी के अवसर पर स्मारिका का विमोचन करते हुए)

(संगोष्ठी की शुरूआत में माँ सरस्वती को पुष्पांजली देते हुए अतिथिगण)

(संगोष्ठी में स्वागत भाषण प्रदान करते हुए श्री ऋषि कुमार रथ, रजिस्ट्रार, भौतिकी संस्थान)

(प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए श्री कैलाश चंद्र शर्मा, भारी पानी संयंत्र, तालचेर)

(प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए श्री एम. श्रीनिवास, आईआरईएल (इं.) लिमिटेड, छत्रपुर)

(प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रो. सुधाकर पंडा, निदेशक, आईओपी और नाइजर)

(प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए श्री एन.जी.कृष्णन, उप-सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग, मुंबई)

(धन्यवाद ज्ञापन देते हुए डॉ. अभय कुमार नायक, रजिस्ट्रार, नाइजर)

(प्रतिभागियों का एक सामूहिक फटोचित्र)

क. प्रथम तकनीकी सत्र

सुश्री स्निग्धा चक्रवर्ती, वैज्ञानिक अधिकारी, भारी पानी संयंत्र, तालचेर ने अपनी व्याख्यान "परमाणु ऊर्जा और पर्यावरण" पर दी । उन्होंने अपनी प्रस्तुति में परमाणु ऊर्जा के सिद्धांत और परमाणु ऊर्जा का इतिहास और क्रमिक विकास, भारत में परमाणु ऊर्जा के विकास के लिए काम कर रहे संस्थानों, परमाणु ऊर्जा के फायदे और नुकसान तथा निवारण के उपाय , संरक्षा और सुरक्षा के उपाय, परमाणु ऊर्जा विभाग में भारी पानी संयंत्रों का योगदान, दूसरे ऊर्जा स्रोत की तुलना में परमाणु ऊर्जा के महत्व और विभिन्न क्षेत्रों में परमाणु ऊर्जा के अनुप्रयोग के बारे में बतायी।

(अपनी व्याख्यान प्रस्तुत करती हुई सुश्री स्निग्धा चक्रवर्ती, भारी पानी संयंत्र, तालचेर)

डॉ. अरुण कुमार, वैज्ञानिक अधिकारी, नाइजर ने अपनी व्याख्यान "परमाणु ऊर्जा एवं पर्यावरण : तथाकथित वास्तविकता " पर प्रदान की । उन्होंने अपनी व्याख्यान में ऊर्जा के स्रोत जैसे कि परम्परागत और गैर-परम्परागत स्रोत, ग्लोवाल वर्मिंग के कारण, परमाणु ऊर्जा की खोज, रासायनिक विज्ञान की दृष्टि से परमाणु ऊर्जा, नाभिकीय विखंडन और संलयन, भारत में न्यूक्लियर पॉवर प्लांटों की स्थिति, विश्व में परमाणु ऊर्जा दुर्घटना के कई उदाहरण, रेडियोधर्मिता के इतिहास और परमाणु ऊर्जा के अनुप्रयोग पर प्रकाश डाला।

डॉ. सौरभ चावला, नाइजर ने अपनी व्याख्यान " परमाणु ऊर्जा-जीवजंतुओं के महत्व और उन पर प्रभाव " पर प्रदान की । अपनी व्याख्यान में जीव जगत में जीवजंतुओं की भूमिका, विकिरण के क्षेत्र में जीव-जंतुओं के महत्व, शरीर संचरना में विकिरण के प्रभाव और विकिरण की संभावनाएँ, विकिरण संरक्षा, परमाणु ऊर्जा पर जनजागरुकता आदि पर प्रदान की ।

श्री रमाकांत कर, प्रशासनिक अधिकारी-।।।, नाइजर ने अपनी प्रस्तुति परमाणु ऊर्जा और पर्यावरण पर इसका प्रभाव, जैतापुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र (एक केस स्टडी) पर दी । अपनी व्याख्यान में जैतापुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के दौरान अपने अनुभवों को बताया।

(व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए डॉ. अरुण कुमार, वैज्ञानिक अधिकारी, नाइजर)

(व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए डॉ. सौरभ चावला, वैज्ञानिक अधिकारी, नाइजर)

(व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए श्री रमाकांत कर, प्रशासनिक अधिकारी-III,नाइजर)

(डॉ. मनिष्क कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीएसआईआर-आईएमएमटी, भुवनेश्वर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए)

ख. द्वितीय तकनीकी सत्र

द्वितीय तकनीकी सत्र के प्रथम वक्ता थे डॉ. मनिष कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीएसआईआर-आईआईएमटी, भुवनेश्वर । उन्होंने परमाणु ऊर्जा और पर्यावरण विषय पर अपनी व्याख्यान प्रस्तुत की ।अपनी व्याख्यान में परमाणु ऊर्जा और विकिरण से हुए फायदे पर प्रस्तुत दी।

द्वितीय वक्ता के रूप में श्री मकरदं सिद्धभट्टी, सिस्टम्स मैनेजर, भौतिकी संस्थान, भुवनेश्वर ने परमाणु ऊर्जा-चुनौतियाँ और चिंताएँ पर अपनी व्याख्यान दी।

तृतीय वक्ता के रूप में श्री भगबान बेहेरा, वरिष्ठ हिंदी अनुवादक, भौतिकी संस्थान ने अपनी व्याख्यान परमाणु ऊर्जा विभाग-पर्यावरण सुरक्षा पर अपनी व्याख्यान दी।

(श्री मकरंद सिद्धभट्टी अपनी व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए)

ग. समापन सत्र तथा प्रमाण पत्र वितरण समारोह

समापन सत्र श्री कैलाश चंद्र शर्मा, भारी पानी संयंत्र, तालचेर की अध्यक्षता में आयोजित हुई। समापन सत्र के दौरान प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया ली गयीं और प्रतिभागी प्रमाणपत्र वितरित करके संगोष्ठी समाप्त हुई ।

(समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए श्री कैलाश चंद्र शर्मा और श्री मुरलीधर तहल और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए श्री ठाकुरदास प्रधान)

(अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए श्री सुबिर कुमार भौमिक, भारी पानी संयंत्र, तालचेर)

(अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए श्री सुशांत कुमार परिडा, नाइजर)

(अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए डॉ. सचिन्द्र नाथ षडंगी, आईओपी, भुवनेश्वर)

प्रमाण पत्र वितरण समारोह

(प्रमाण पत्र ग्रहण करते हुए श्री बलदेब बारिक, परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय, छत्रपुर)

(प्रमाण पत्र ग्रहण करती हुई श्रीमति एलिना दास, नाइजर)

(प्रमाण पत्र स्वीकार करते हुए श्री अंकित शर्मा, आईआरईएल (इं.) लि., छत्रपुर)

(प्रमाण पत्र ग्रहण करते हुए श्री एम. श्रीनिवास, ऑसकॉम, छत्रपुर)

(प्रमाण पत्र स्वीकार करती हुई सुश्री स्निग्धा चक्रवर्ती, भापासं, तालचेर)

(प्रमाण पत्र स्वीकार करते हुए श्री अरुण कांत दाश, आईओपी, भुवनेश्वर)

oooooooooooo